सादर प्रकाशनार्थ,

आध्यात्मिक सप्ताह में राजयोग प्रशिक्षण

कोरबा–9.03.2017– जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों के लिये आयोजित आध्यात्मिक सप्ताह में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा दो दिवसीय तनाव मुक्ति जीवन शैली के लिये राजयोग प्रशिक्षण दिया गया। ब्रह्माकुमारी मंजू बहन बिलासपुर ने कहा कि आप यदि अपने जीवन को सदा खुशियां, आनंद और सुख–शांति–समृद्धि से भरपूर करना चाहते हो तो अपने दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना आवश्यक है। नकारात्मक बातों और वातावरण से किनारा कर अपनी विचार धारा को सकारात्मक मोड़ देना होगा। कोई भी व्यक्ति आपको गलत कह रहा है, लेकिन उसे भी यह अंदर से मालूम रहता है कि मैं गलत कर रहा हूँ। गलत बातों से आपकी ख्याति तो बढ़ती ही है लेकिन रूप उल्टा होता है। आपको प्रशंसा और उपकार का उपहार मिलने की जगह, अनेक बातों का सामना करना पड़ता है। सहनशील बनने की भी आवयकता होती है। आपने कहा कि जब संस्था की स्थापना का शुभारम्भ हुआ तो संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा को कई बातों को सहन करना पड़ा। उस समय टाईम्स आफ अमेरिका में भी यह प्रकाशित हो गया कि एक जोहरी भारत में है, जो कि अपने को कृष्ण का अवतार मानता है और कहता है कि मुझे 16108 रानियां चाहिए, जिसमें से 400 रानियां हो गईं हैं। आज वही संस्थान सतत् मानव उत्थान में प्रगतिशील है। यह संयुक्त राष्ट्र संघ का अशासकीय सदस्य है और अनेकानेक पुरस्कार प्राप्त कर शांतिदूत के रूप में अग्रणी है। आज जिला प्रशासन ने भी यह मान्यता देकर यहां आमंत्रित किया है। नैतिकता की सदा ही अनैतिकता पर विजय होती है। प्रकाश के आगे अंधकार ठहर नहीं सकता। सत्य स्वयं सिद्ध है उसे किसी की गवाही की आवश्यकता नहीं होती। हॉ आज आपकी यह परीक्षा की घड़ी है, तो उसमें पास होकर दिखलाईये। संस्था के संस्थापक जो कि समाज में एक सम्मानित, प्रतिष्ठित हीरे जवाहरातों के व्यापारी थे। उन्हें 1936 में 60 वर्ष की आयु में कई प्रकार के साक्षात्कार हुए। आपने समाज में माताओं बहनों का मनोबल बढ़ाने के लिये उनका स्वाभिमान बढ़ाने के लिये 8 माताओं–बहनों का ट्रस्ट बनाकर अपनी करोड़ों की सम्पत्ति उनके चरणों में समर्पित कर दी थी। लेकिन लोगों ने तो उनको अपने काले चश्में से देखा था। उस समय यह संगठन निश्चित ही 400 माताओं–बहनों का था। जिसे ओम मण्डली के नाम से जाना जाता था। यदि हीरा सच्चा है तो वह अपनी चमक कीचड़ व अंधकार में भी उतनी ही रखता है जितना कि सामान्य अवस्था में। आपके पास जो भी भौतिक समृद्धि व सम्पन्नता है, वह सिर्फ क्षणिक है जो आज है, तो कल नहीं रहेगी। इसलिये इन सभी चीजों का अभिमान रखना एक भूल है। आपकी बुद्धिमत्ता, गुण व कला भी ईश्वर का एक उपहार है, न कि आपकी स्वयं की अमानत। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन ने कहा कि जीवन है तो उतार

चढ़ाव तो होगें ही। प्रशासन में भी अनेक प्रकार की समस्यायें तो आती हैं, लेकिन तनाव व टेन्शन में न आकर अटेन्शन देंगें तो हर मुश्किल सहज हो जायेगी। ब्रह्माकुमारी बिन्दु बहन ने कहा कि अपनी आंतरिक स्व–स्थिति को जितना मजबूत बनायेगें तो हर बात एक खेल की तरह अनुभव होगीं। घबराते वे हैं जिन्हें अनुभव व ज्ञान की कमी होती है। भ्राता विश्वास राव मेश्राम डिप्टी कलेक्टर कोरबा ने प्रशिक्षण का कुशल संचालन तथा भ्राता आर.पी.सिन्दे पर्यावरण अधिकारी ने कार्यक्रम के संयोजन में अपनी भूमिका निभाई। भ्राता सी.एल. नोन्हारे उप संचालक जन सम्पर्क विभाग ने धन्यवाद् ज्ञापन किया। भ्राता पी. दयानन्द जिलाधीश महोदय जी ने भी अपना शुभकामना संदेश प्रेषित किया।
मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी